₹8,100 करोड़ का निवेश आएगा, झांसी बनेगा रक्षा उत्पादों का हब

भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, टाटा टेक्नोलॉजीज जैसी बड़ी कंपनियां करेंगी निवेश

■ **एनबीटी ब्यूरो, लखनऊ :** बुंदेलखंड का झांसी रक्षा क्षेत्र की कंपनियों के लिए एक फेवरेट डेस्टिनेशन के रूप में उभर रहा है। केंद्र सरकार की मदद से विकसित किए जा रहे उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के झांसी नोड में अब तक ₹8,100 करोड़ से अधिक के प्रस्ताव राज्य सरकार को मिले हैं। इसका खुलासा हाल ही में यूपीडा द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में किया गया है। झांसी नोड में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड(बीडीएल), ग्लोवल इंजिनियर्स लिमिटेड, टाटा टेक्नोलॉजीज और फेरेंटेरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियों ने निवेश के लिए प्रस्ताव दिए हैं।

415.59 हेक्टेअर जमीन आवंटित : डिफेंस कॉरिडोर के लिए अब तक अधिग्रहित 1,087 हेक्टेयर भूमि में से 415.59 हेक्टेयर को रक्षा इकाइयों के लिए आवंटित किया जा चुका है। जो बड़ी कंपनियां इस क्षेत्र में निवेश कर रही हैं, उसमें ग्लोवल इंजीनियर्स लिमिटेड ने नाइट्रोसेल्यूलोज और नाइट्रो ग्लिसरीन के साथ अन्य रक्षा उत्पादन के लिए ₹2,300 करोड़ का निवेश किया है। साथ ही बीडीएल ने मिसाइल व रक्षा संबंधी निर्माण के लिए ₹400 करोड़ का निवेश किया है। फेरेंटेरो इंडिया प्राइवेट लिमिटेड भी एयरक्राफ्ट अरेस्टर बैरियर नेट्स और अन्य रक्षा उपकरणों के निर्माण के लिए ₹350 करोड़ का निवेश कर रही है। इसके अलावा सवर्ण इंफ्राटेल ₹103 करोड़ के निवेश से ईएमसी शेल्टर और सुरक्षा टावरों का निर्माण शुरू करने जा रही है।

AI Image

प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहा यूपीडा

ऑप्टिक इलेक्ट्रॉनिक इंडिया ₹800 करोड़ के निवेश से छोटे हथियारों के लिए एक केंद्रीय अनुसंधान केंद्र स्थापित करेगा। टाटा टेक्नोलॉजीज झांसी नोड पर ₹500 करोड़ के निवेश से एक कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) विकसित कर रहा है। पावक इंडस्ट्रीज प्राइवेट ₹460 करोड़ के नियोजित निवेश के साथ एक हथियार और गोला-बारूद के साथ ही एक टेस्ट फायरिंग रेंज भी स्थापित करेगी। नवभारत डिफेंस सिस्टम्स टीएनटी, एनसी-एनजी, आरडीएक्स और अन्य प्राथमिक विस्फोटकों के उत्पादन के लिए ₹322 करोड़ का निवेश कर रहा है। डब्ल्यूबी इलेक्ट्रॉनिक्स ₹209 करोड़ के निवेश से झांसी की रक्षा क्षमताओं को बढ़ा रहा है, जबकि वेरीविन म्यूनिशंस प्राइवेट लिमिटेड ₹208 करोड़ निवेश कर रहा है। यूपीडा इन प्रस्तावों का मूल्यांकन कर रहा है।

ये कंपनियां भी कर रही हैं निवेश

कई कंपनियां जो करीब 200 करोड़ रुपये का निवेश कर रही हैं, उनमें कल्याणी स्ट्रेटेजिक सिस्टम्स, कल्याण डेफटेक एलएलपी (ड्रोन निर्माण और पहचान प्रणालियों पर केंद्रित), नेक्स्टस्ट्रैट टेक विजन एलएलपी, स्पेसफील्ड प्राइवेट लिमिटेड और ग्लोबल टेक्नोक्रेट्स प्राइवेट लिमिटेड शामिल हैं। भारत सरकार का एमएसएमई इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) के लिए 182 करोड़ रुपये निवेश करने जा रहा है। सेकिंगटन इंडस्ट्रीज हथियार, गोला-बारूद और पुर्जों की विनिर्माण इकाई स्थापित करने के लिए ₹120 करोड़ का निवेश कर रही है।

झांसी नोड, उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनकर, न केवल बुंदेलखंड क्षेत्र के आर्थिक विकास को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि भारत की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को भी साकार कर रहा है। साथ ही सीएम योगी के 1 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति दे रहा है।

-अभिषेक प्रकाश, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, इंवेस्ट यूपी